भारत सरकार
खान मंत्रालय

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF MINES

राष्ट्रीय खनिज पुरस्कार 1990-91
National Mineral Awards 1990-91

डा. टी. हरिनारायण को उनके द्वारा भूभौतिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिये मान्यता स्वरूप राष्ट्रीय खनिज पुरस्कार 1990-91 का बारह हजार पांच सौ रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Dr. T. Harinarayana is presented the National Mineral Award for 1990-91 of Rupees Twelve Thousand Five Hundred in recognition of his distinguished services in the field of Geophysics.

बलराम सिंह यादव
खान राज्य मंत्री
भारत सरकार

BALRAM SINGH YADAVA
Minister of State for Mines
Government of India

वी. कृष्णन
सचिव, भारत सरकार,
खान मंत्रालय
एवं
अध्यक्ष
पुरस्कार निर्धारक प्राधिकरण

V. KRISHNAN
Secretary, Government of India,
Ministry of Mines
&
Chairman
Award Making Authority

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर, 1992
New Delhi, Date 14th September 1992

डॉ. टी. हरिनारायण
Dr. T. Harinarayana

वर्ग :- 7

भूभौतिकी - भूपर्पटी के अध्ययन, खनिज गवेषण, भूकंप विज्ञान, हवाई भूभौतिकीय सर्वेक्षणों एवं यंत्र व्यवस्था में भूभौतिकीय विधियों का अनुप्रयोग ।

डा. टी. हरिनारायण, वैज्ञानिक, राष्ट्रीय भूभौतिकी अनुसंधान संस्थान, ने नए भूभौतिकीय तरीकों के प्रयुक्तिकरण में विशिष्ट योगदान दिया है जैसे टेल्लूरिक, चुम्बकीय टेल्लूरिक तथा श्रव्य-चुम्बकीय टेल्लूरिक तकनीक के माध्यम से उन्होने गहन भूपर्पटीय गठन, भूतापीय क्षेत्र, खनिज पट्टियों, अवसादीय द्रोणियों का अध्ययन किया है। भारत उपमहाद्वीप के पश्चिमी भाग में भूभौतिकीय गवेषण में उनका विशेष योगदान रहा। उन्होंने भू-जल डेटा का अर्थ निकालने के लिए साफ्टवेयर का भी विकास किया है।

चुम्बकीय टेल्लुरिक और श्रव्य-चुम्बकीय टेल्ल्यूरिक पद्धति की प्रयुक्ति में उनके उत्कृष्ट कार्य एवं योगदान को मान्यता प्रदान करते हुए, डा. टी. हरिनारायण को 1990-91 के राष्ट्रीय खनिज पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार डॉ. हर्ष कुमार गुप्ता के साथ सम्मिलित रूप से प्रदान किया गया है।

GROUP-VII

Geophysics-application of geophysical methods of study of earth's crust, mineral exploration, seismology, airborne geophysical surveys and instrumentation.

Dr. T. Harinarayana, Scientist, National Geophysical Research Institute, has made special contribution in application of new geophysical methods, such as telluric, magnetotelluric and audiomagnetotelluric techniques for study of deep crustal structure, geothermal fields, mineral belts, sedimentary basins and their exploration in western parts of Indian subcontinent. He has also developed software for the interpretation of groundwater data.

In recognition of his meritorious work and contribution towards use of magnetotelluric and audiomagnetotelluric techniques, Dr. T. Harinarayana is conferred National Mineral Award for 1990-91. He shares the Award with Dr. Harsh K. Gupta.